13 मौसम

वर्षा आई, वर्षा आई,
घने–घने बादल ले आई।
गरजे बादल, चमके बिजली,
पानी की बौछारें पड़तीं।
नदी, तालाब, खेत भर जाते,
सभी किसान खुश हो जाते।।

कार्तिक मास दीवाली आई,
वर्षा गई तो सर्दी आई।
ठंडी हवा लगी है बहने,
कपड़े गर्म सभी ने पहने।
गेहूँ, चना की शुरू बुआई,
देर से सूरज पड़े दिखाई।।

मौसम बदला फिर से भाई,
सर्दी गई और गर्मी आई।
गर्म हवा को साथ में लाई,
बच्चों की भी हो गई मस्ती।
गर्मियों की हो गई छुट्टी।।

कविता के आधार पर तीनों मौसम के चित्र अपनी कॉपी में बनाओ और अपनी कक्षा की दीवार पर लगाओ।

मौसम के बारे में तुम जो भी कुछ जानते हो, लिखो।

————————————————————————————————————

————————————————————————————————————

————————————————————————————————————

————————————————————————————————————

मौसम और जीव

गर्मी के बाद जैसे ही बरसात आती है कि बहुत से छोटे–छोटे, कीड़े–मकोड़े दिखाई देने लगते हैं। बरसात में हरियाली की चादर बिछ जाती है।

बरसात में कौन–से कीड़े दिखते हैं? यहाँ कुछ कीड़ों के चित्र दिए हैं। इस तरह के कीड़ों को देखो और पहचानो।

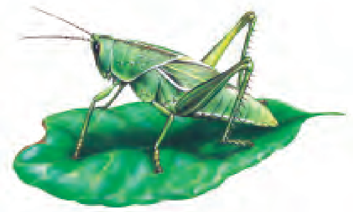

बरसात में कौन–से जंतुओं की आवाज़ें सुनाई देने लगती हैं?

————————————————————————————————————

फिर धीरे–धीरे समय गुज़रता है और ठंड आ जाती है। बहुत से नए जंतु आ जाते हैं और बहुत सारे छिप जाते हैं।

कौन–कौन–से जंतु छिप जाते हैं?

————————————————————————————————————

क्या ठंड में मेंढकों की आवाज़ सुनाई देती है?

————————————————————————————————————

ठंड में और कौन–कौन से नए जीव दिखने लगते हैं?

————————————————————————————————

यहाँ कुछ खास तरह के पक्षियों के चित्र दिए गए हैं। ये ठंड के मौसम में ही हमारे यहां दिखाई देते हैं। ठंड के दिनों में धान के खेतों के आसपास, बाग–बगीचों में, पोखरों में, नदी और तालाबों में इनको ढूँढ़ने की कोशिश करो।

इन पक्षियों के रंग–रूप, चाल, उड़ने का तरीका आदि भी देखो।

इन पक्षियों को तुम्हारे यहाँ किस नाम से पुकारा जाता है? बड़ों से पता करो और लिखो।

————————————————————————————————

ठंड कम होती है और गुनगुनी–सी गर्मी आ जाती है।

फरवरी–मार्च में कौन–कौन–से छोटे जंतु दिखते हैं?

————————————————————————————————

धीरे–धीरे गर्मी बढ़ती है और मौसम असहनीय होता जाता है। जैसे–जैसे गर्मी बढ़ती है वैसे–वैसे जीव–जंतु कम होने लगते हैं। इनमें से कई तो छिप जाते हैं और कई मर जाते हैं।

मौसम और सूरज

बरसात के दिनों में तो कई बार ऐसा होता है कि सूरज बादलों में ही छिपा रहता है। ठंड के दिनों में रातें लंबी और ठंडी होती हैं और दिन छोटे होते हैं। गर्मी के दिनों में दिन लम्बे और गरम होते हैं और रातें छोटी।

ठंड के दिनों में सूरज किस समय डूबता है? पता करो।

————————————————————————————————

गर्मी के दिनों में सूरज किस समय डूबता है? पता करो।

————————————————————————————————

कितनी बरसात हुई?

एक दिन में कितनी बरसात हुई? इसको कैसे मापोगे?

चलो, एक आसान–सा प्रयोग करके पता करते हैं। चित्र में दिखाए अनुसार जब बरसात हो रही हो तो खुले मैदान या छत पर एक चौड़े मुँह के बर्तन को साफ धोकर रख दो।

जब बरसात खत्म हो जाए तो प्लास्टिक के स्केल की मदद से बर्तन में बरसात के इकट्ठे हुए पानी को माप लो।

स्केल कितनी डूबी? उसकी माप को लिखो। यही माप बरसात की माप होगी।

____

अब बताओ उस दिन तुम्हारे यहाँ पर कितनी बरसात हुई?

____

____

चलो, मौसम के बारे में कुछ और बातें पता करते हैं।

हवा दिशासूचक यंत्र बनाओ

हवा की दिशा का पता लगाना हो तो क्या करोगे? अपने दोस्तों के साथ चर्चा करो।

आओ, हवा की दिशा पता करने के लिए एक यंत्र बनाते हैं।

काँच की एक बोतल लो जिसमें रबर का ढक्कन लगा हो। इसके रबर के ढक्कन में एक खाली रिफिल फँसा दो। अब चित्र में दिखाए अनुसार एक मोटे कागज की तीरनुमा पट्टी काटो। पट्टी में आलपिन या काँटा लगाकर इसे बोतल के बाहरी हिस्से में निकले रिफिल पर लगा दो।

लो बन गया तुम्हारा हवा दिशा सूचक यंत्र। अब इस यंत्र को बाहर रखकर देखो। क्या यह कागज़ की पट्टी हवा की दिशा को बता पा रही है?

पता करो कि हवा की दिशा क्या है।

____

____

मौसम का रिकार्ड

क्या रोजाना का मौसम एक सा होता है? नहीं न! किसी दिन बादल हो जाते हैं तो किसी दिन तेज़ हवा चलती है।

चलो, एक सप्ताह के मौसम की जानकारी एकत्रित करते हैं। अगले पेज पर बताए अनुसार मौसम का चार्ट बनाओ।

जानकारी एकत्रित करने के लिए एक तालिका बनाओ और इसमें रोजाना जो भी देखते हो उसको लिखते जाओ, जैसे कि –

काले बादल, सफेद बादल, बारिश हुई, हवा तेज चली, धूप तेज थी, उमस थी, गर्मी थी, ठंड थी आदि।

मौसम चार्ट

दिनांक ....से ....दिनांक तक माह........... साल.........

वार	बादल काले/सफेद	बारिश हुई/या नहीं	हवा तेज़ या कम	धूप तेज/कम	गर्मी/ठंडक	उमस
सोमवार						
मंगलवार						
बुधवार						
गुरूवार						
शुक्रवार						
शनिवार						
रविवार						

जब यह चार्ट बन जाए तो अपनी कक्षा की दीवार पर लगाओ।

नीचे मौसम और उनसे जुड़ी घटनाएँ दी गई हैं। किस मौसम का रिश्ता इन घटनाओं से है? चार्ट में लाइन खींचकर जोड़ो। उदाहरण के तौर पर एक जोड़ा बनाया गया है।

बरसात	– कीचड़
	– ज्यादा प्यास लगना
	– आम पकना
	– धान की बुवाई
	– धूप सुहानी लगना
	– शाल, स्वेटर पहनना
ठंड	– छाता लगाना
	– आइस्क्रीम/कुल्फी खाना
	– कपड़े देर से सूखना
	– तरबूज, खरबूज खाना
	– बाढ़ आना
गर्मी	– इन्द्रधनुष का बनना
	– साफ आसमान
	– तेज धूप
	– खाना जल्दी खराब होना
	– सूरज का न दिखना
	– लू का चलना

हमने क्या सीखा?

मौखिक

1. तुम्हें सबसे अच्छा मौसम कौन सा लगता है?
2. बरसात के पहले कौन सा मौसम आता है?

लिखित

1. सर्दी के मौसम वाले महीनों के नाम लिखो।
2. मोर कब नाचने लगता है?
3. गर्मी में किस तरह के फूल खिलते हैं?
4. गेहूँ और चने की बुवाई कौन से मौसम में की जाती है?
5. बरसात के दिनों में कौन–कौन से जंतु दिखाई देते हैं?

खोजो आस–पास

1. गर्मी, सर्दी और बरसात से अपनी सुरक्षा कैसे करोगे?
2. बरसात में किस तरह की बीमारियाँ ज्यादा फैलती हैं? पता करो।

EKJR4N